

॥ श्री ॥

महेश्वरसुधाकर ।

श्रीरयमास्याममुन्दर प्रेमियो के प्रमन्ना र्ग
रामपुरेन्द्ररैकवाग्वशावतश श्री गुमान
निज श्री महाराजा महेश्वर
द्वन्द्वमिह जू देव की आज्ञानुसार
(जिठा) फतेपुर अमलीनगर
निवासी कवीन्द्र पण्डित मिश्र
मन्नालालात्मज श्री श्यामसु-
न्दर (इगाम) ऋषि ने नव
रससयुक्त निर्मित
किया ।

काशी ।

भारतजीवन प्रेस में मुद्रित हुआ ।

सन १८८८ ई ।